

नेतृत्व पाठ्यक्रम (वरिष्ठ स्तर) क्रमांक. नंबर- 06 (ऑनलाइन)
(सितंबर 13 से 18/2021)

देश में कोविड-19 महामारी के बीच ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के संचालन की अभिनव पहल की निरंतरता में, आंतरिक सुरक्षा अकादमी, सीआरपीएफ ने नेतृत्व पाठ्यक्रम (वरिष्ठ स्तर) क्रम संख्या- 6 का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम में के.रि.पु.बल. के कमांडेंट से उपमहानिरीक्षक रैंक के 47 अधिकारियों ने भाग लिया।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य बल के अधिकारियों में नेतृत्व की गुणवत्ता और योग्यता का विकास करना है।

प्रो. (डॉ.) बिमल एन.पटेल, कुलपति, आरआरयू विश्वविधालय, गुजरात ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रतिभागियों को अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने देश में आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी।

श्री अरुण कुमार, निदेशक/महानिरीक्षक, आ.सु.अ., के.रि.पु.बल माउंट आबू, ने पाठ्यक्रम के समापन की शोभा बढ़ाई। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने संबोधन में पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए बधाई दी और एक अच्छे नेता की विशेषताओं और गुणों पर भी जोर दिया।



प्रो. (डॉ.) बिमल एन.पटेल, कुलपति, आरआरयू विश्वविधालय, गुजरात द्वारा उदघाटन।

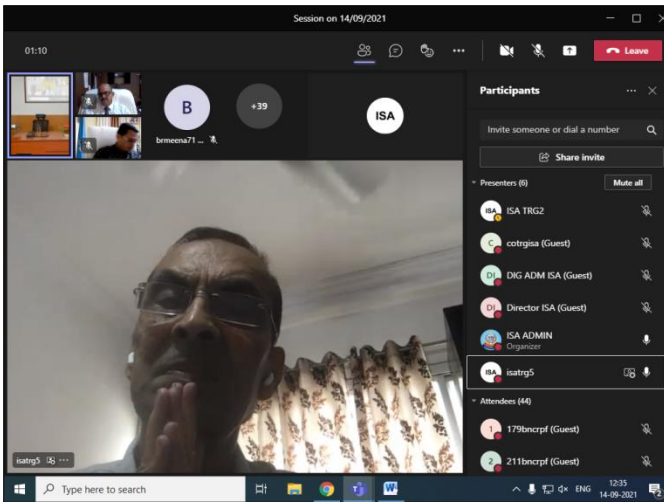
निदेशक, अकादमी के नेतृत्व में आ.सु.अ. के संकाय अधिकारियों के अलावा, विभिन्न प्रतिष्ठित वक्ताओं जैसे डॉ. विक्रान्त सिंह तोमर, निदेशक यूएमएस इंडिया, डॉ. ए. पी. माहेश्वरी, भा.पु.से. (सेवानिवृत्त) पूर्व-महानिदेशक, के.रि.पु.बल, प्रो. पी.के. जैन, पूर्व डीन और एच.ओ.डी, एम.एल.एस. विश्वविद्यालय, श्री रक्षित टंडन, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, सुश्री मेघा गुप्ता, सह-संस्थापक, टेनर, स्किल टी सॉल्यूशन, डॉ. वी. वी. सिंह, निदेशक किब्बुलज कंसल्टेंसी एंड सर्विसेज, श्री कृष्ण मोहन, आई.ए.एस (सेवानिवृत्त), डॉ. डी. के. गुप्ता, स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन विशेषज्ञ, डॉ. प्रज्ञा माथुर कुमार, मनोवैज्ञानिक और प्रशिक्षक, संस्थापक, अरुणिमा अंकुरन, डॉ. नंदीतेश निलय, निदेशक, टीआरएएनसी, श्री. एम.एल. कुमावत, भा.पु.से. (सेवानिवृत्त) ने व्याख्यान दिया और प्रतिभागियों के ज्ञान को समृद्ध किया। प्रतिभागियों को मेल के जरिए ई-सर्टिफिकेट दिए गए।



डॉ. विक्रान्त सिंह तोमर, निदेशक यूएमएस इंडिया, एक ऑनलाइन सत्र में "नेतृत्व और उसके प्रकार" पर व्याख्यान देते हुए।



डॉ. ए. पी. माहेश्वरी, पूर्व-महानिदेशक, के.रि.पु.बल, एक ऑनलाइन सत्र में "बॉस प्रबंधन" पर व्याख्यान देते हुए।



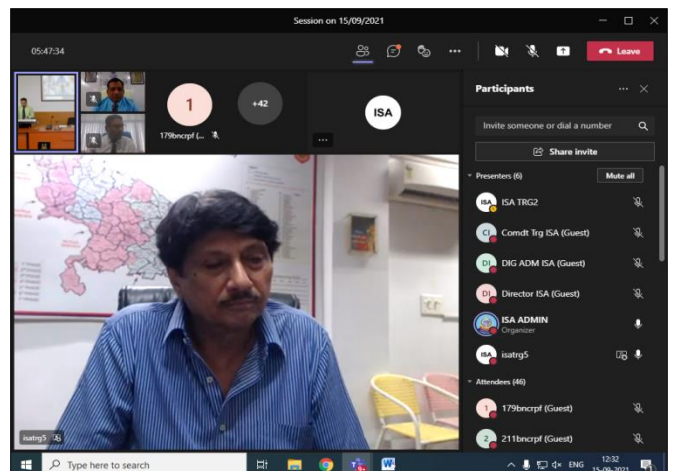
प्रो. पी.के. जैन, पूर्व डीन और एच.ओ.डी, एम.एल.एस. विश्वविद्यालय, एक ऑनलाइन सत्र में, "स्वयं और दूसरों को प्रेरित करना" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री रक्षित टंडन, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, एक ऑनलाइन सत्र में, "हनी टैप और सोशल मीडिया के उपयोग के लिए दिशानिर्देश" पर व्याख्यान देते हुए।



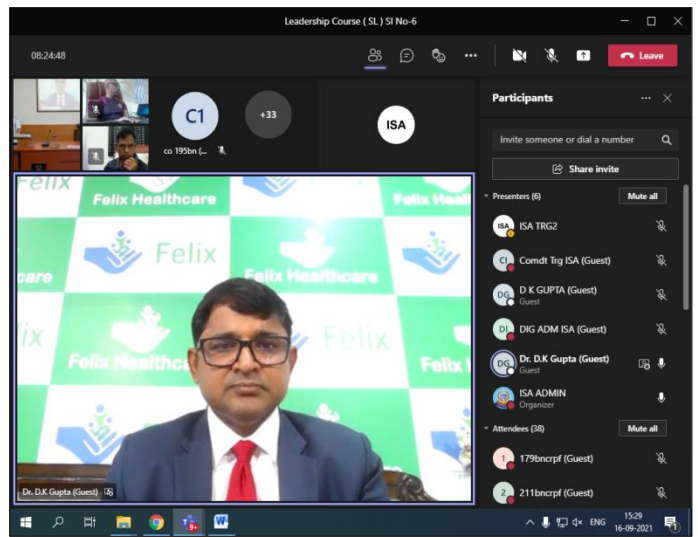
सुश्री मेघा गुप्ता, सह-संस्थापक, टेनर, स्किल टी सॉल्यूशन, एक ऑनलाइन सत्र में, "संचार कौशल" पर व्याख्यान देते हुए।



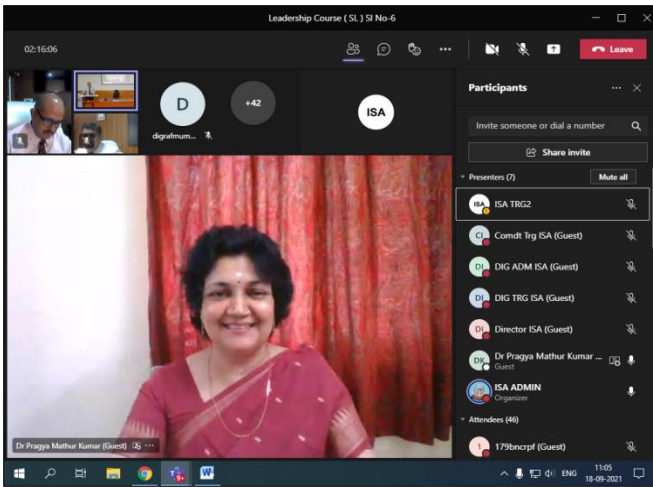
डॉ. वी. वी. सिंह, निदेशक किंब्लु कंसल्टेंसी एंड सर्विसेज, एक ऑनलाइन सत्र में, "इकाई/निचली संरचनाओं में पारस्परिक संघर्षों का प्रबंधन करना" पर व्याख्यान देते हुए।



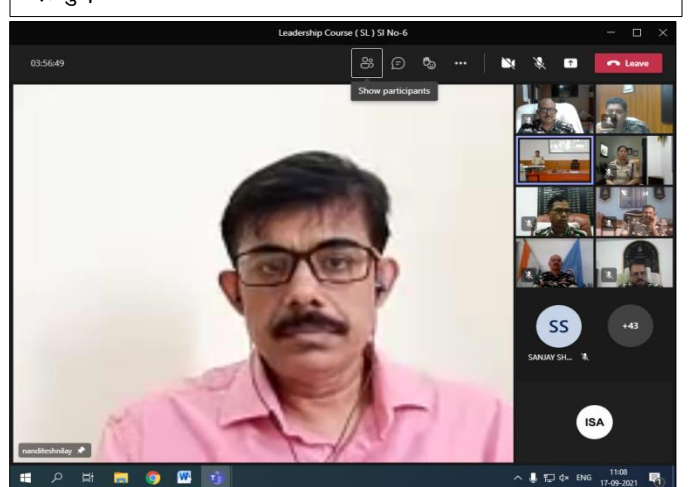
श्री कृष्ण मोहन, भा.प्र.से.(सेवानिवृत्त), एक ऑनलाइन सत्र में "कार्मिक प्रबंधन" पर व्याख्यान देते हुए।



डॉ. डी. के. गुप्ता, स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन विशेषज्ञ, एक ऑनलाइन सत्र में "तनाव और तनाव प्रबंधन के स्रोत की पहचान करना" पर व्याख्यान देते हुए।



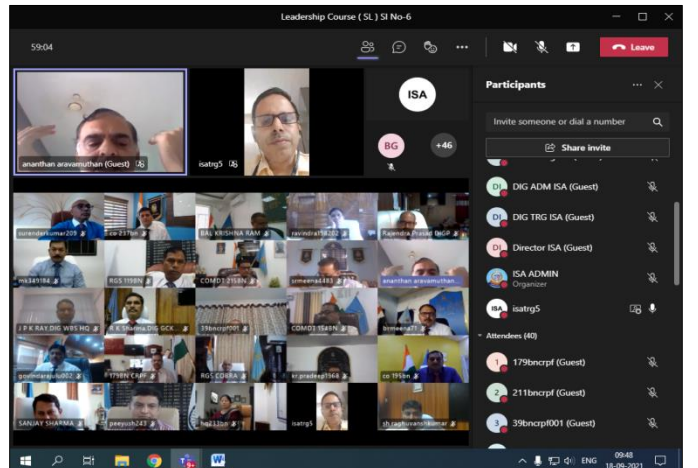
डॉ. प्रज्ञा माथुर कुमार, मनोवैज्ञानिक और प्रशिक्षक, एक ऑनलाइन सत्र में, "समग्र कल्याण-नया सामान्य" पर व्याख्यान देते हुए।



डॉ. नंदीतेश निलय, निदेशक, टी.आर.ए.एन.सी., एक ऑनलाइन सत्र में, "समय प्रबंधन" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री. एम.एल. कुमावत, पूर्व-महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल, एक ऑनलाइन सत्र में, "लोकतंत्र में के.रि.पु.बल के नेतृत्व के लिए चुनौतियाँ" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री अनंतन अरवमुथन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कोटक महिंद्रा बैंक, एक ऑनलाइन सत्र में, "सुरक्षित बैंकिंग के लिए बरती जाने वाली सावधानियाँ" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री अरुण कुमार, निदेशक/महानिरीक्षक, आ.सु.अ., के.रि.पु.बल, माउंट आबू के द्वारा समापन समारोह ।